धौंस देने वाला

दादागिरी करने वाला

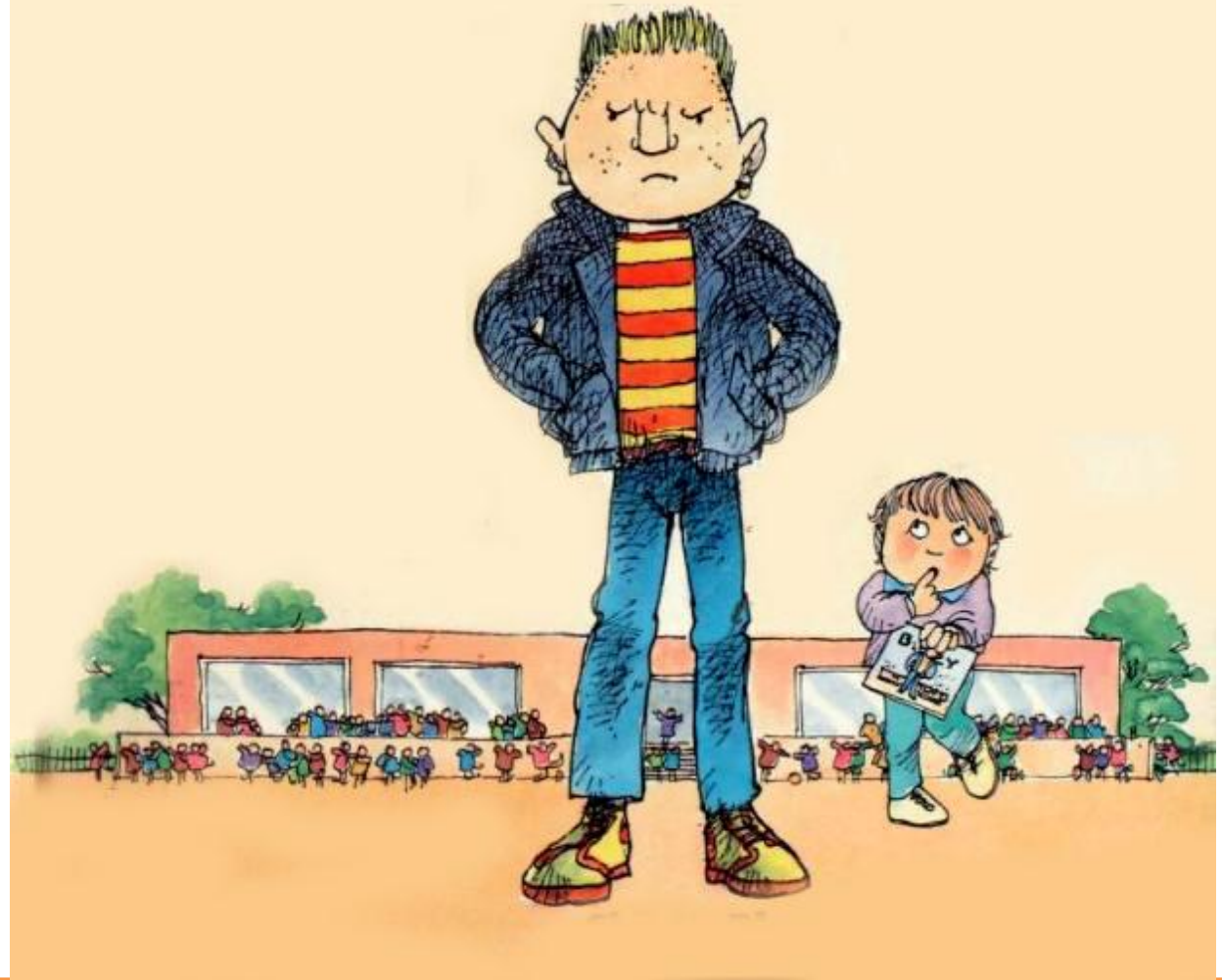

धौंस देने वाला

दादागिरी करने वाला

"दादा" कैसे बनें

आपको दादागिरी
करने में, दूसरों को
धमकाने में बड़ा मज़ा
आ सकता है ...

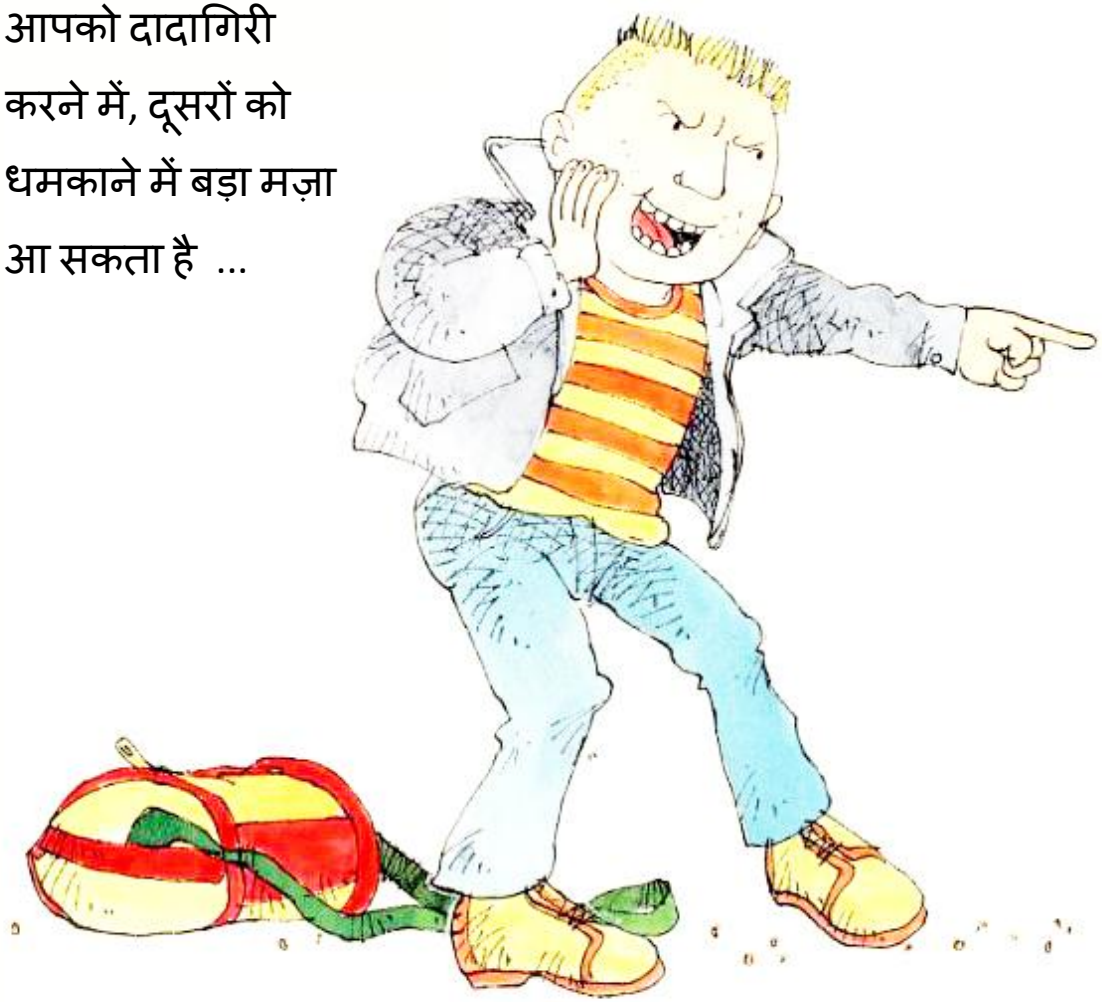

दूसरों को गालियां देने में ...

आप कुछ भी कह सकते हैं, जब तक आप उसे नीचता से कहें :
मोटू, पतलू, छोटू, लूला, अँधा आदि ...

नक़ल करना ...

तड़पाना, सताना ...

मारना-पीटना ...

... कुछ ऐसा करना जो दूसरे को रुला दे.

या दूसरा अपनी चीजें आपको दे दें.

या वो अपनी चीज़ों से आपको खेलने दें.

आप उससे कोई ऐसा काम
करवाएं जिससे उसे डर लगता हो.

या आप उससे ऐसा काम करवाएं
जिससे आपको खुद डर लगता हो.

लोगों से वो काम करने को कहें
जो आप खुद नहीं करना चाहते हों.

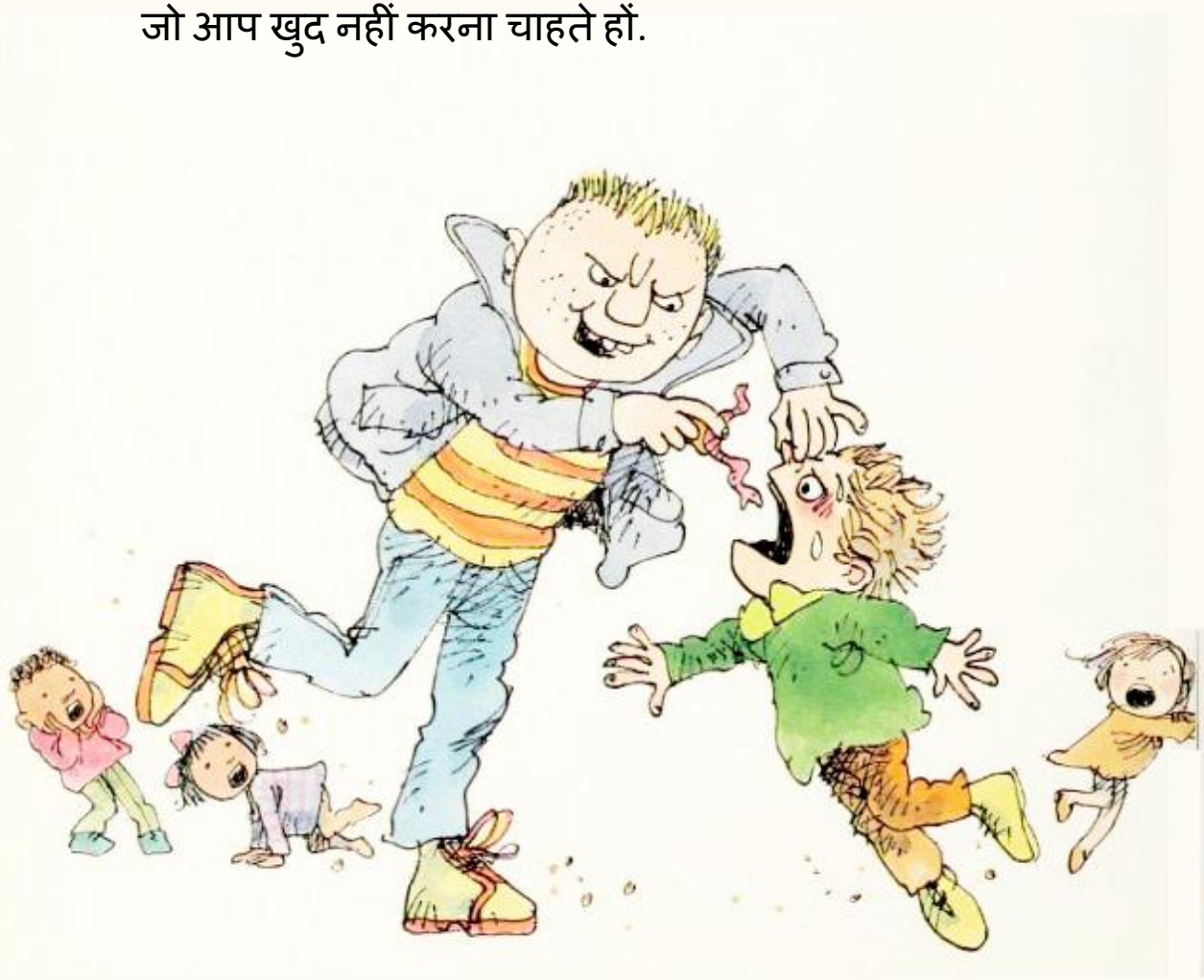

जिससे दूसरे लोग मूर्ख दिखें.

लोगों से गलत काम करवाएं.

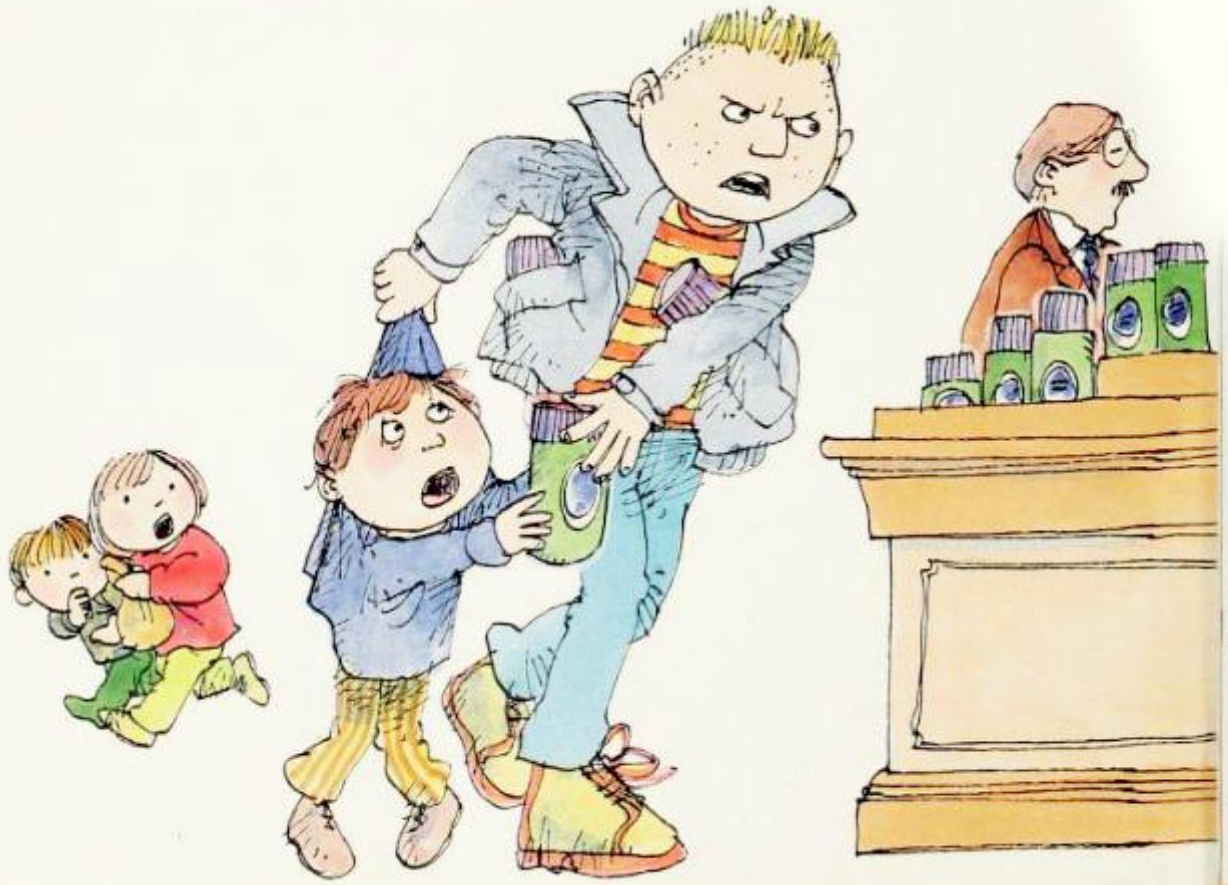

लोगों से दूसरों को धमकाने को कहें.

सावधान रहें!

सावधान रहें!

अपने से किसी छोटे को पकड़ें.

किसी कम उम्र वाले को पकड़ें.

उन बच्चों के साथ शुरू करें

जो शहर में नए-नए आए हों

और जिनके दोस्त न हों.

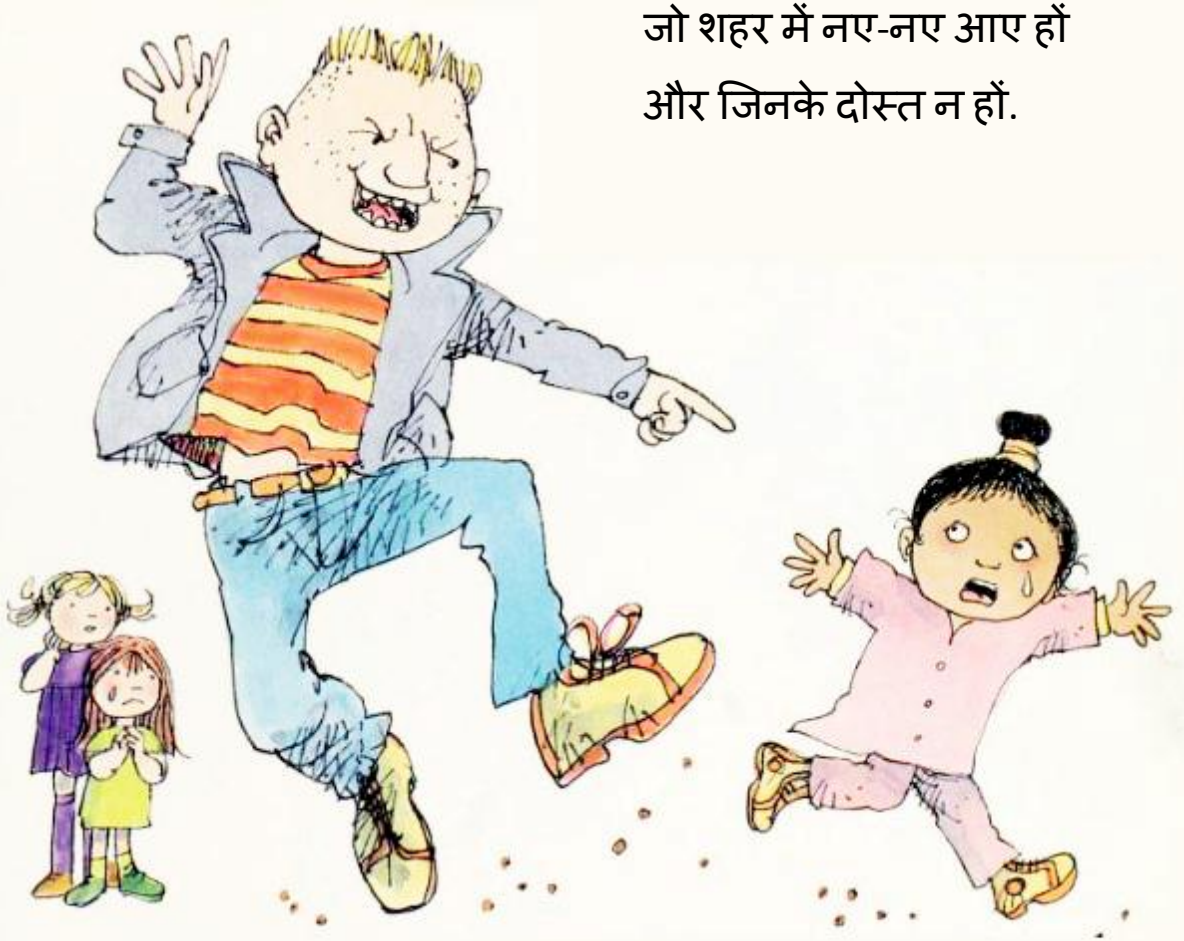

खासकर, वे 'अलग' या "स्पेशल" हों.

वे अलग दिखते हों या अलग ढंग से बातें करते हों.

यह पक्का करें कि वे आपसे कमजोर हों!

यह सुनिश्चित करें कि कहीं आसपास

उन्हें बचाने वाला कोई न हो.

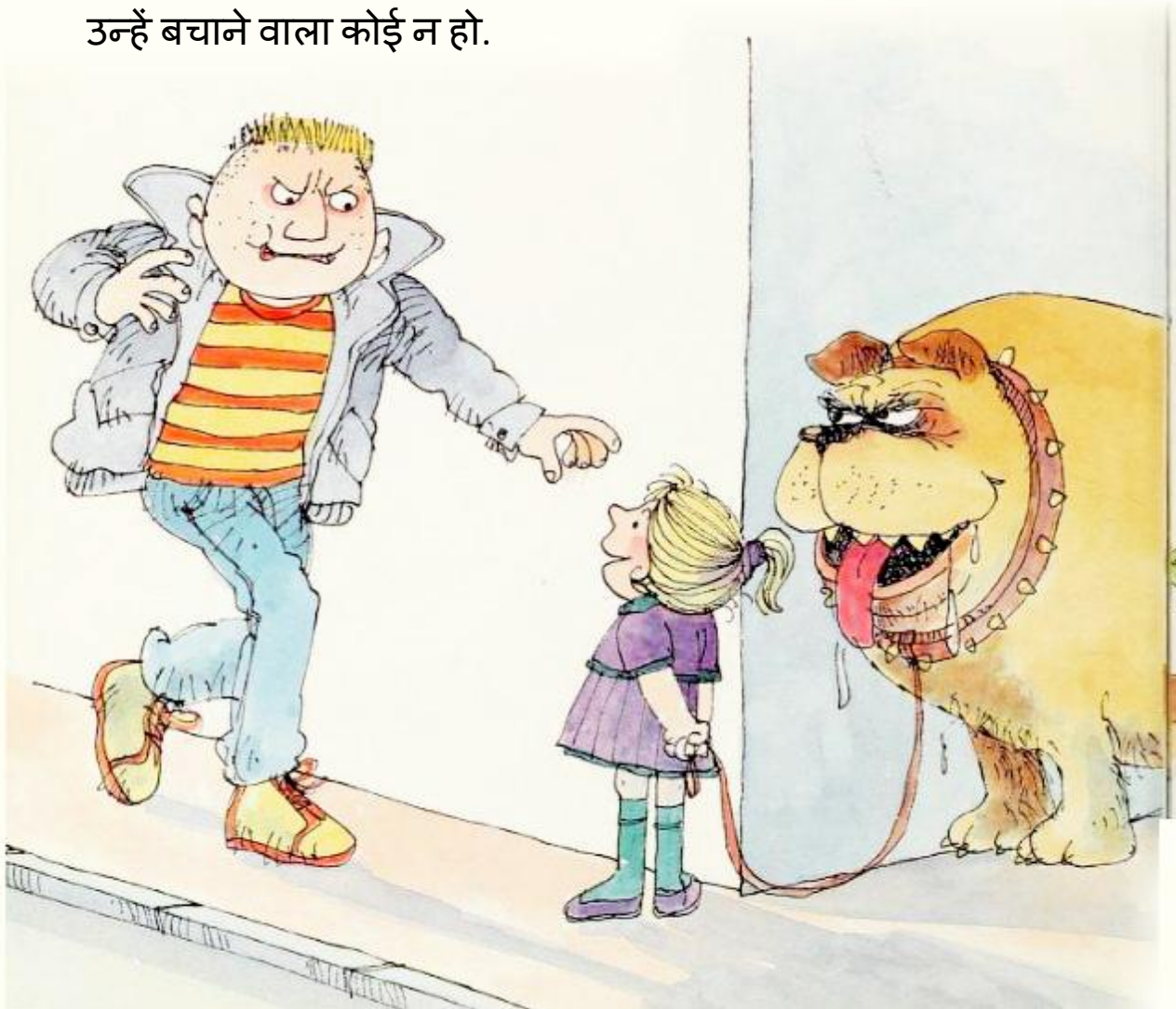

यह पक्का करें कि वे दौड़कर बड़ों को

उस घटना के बारे में नहीं बताएँगे!

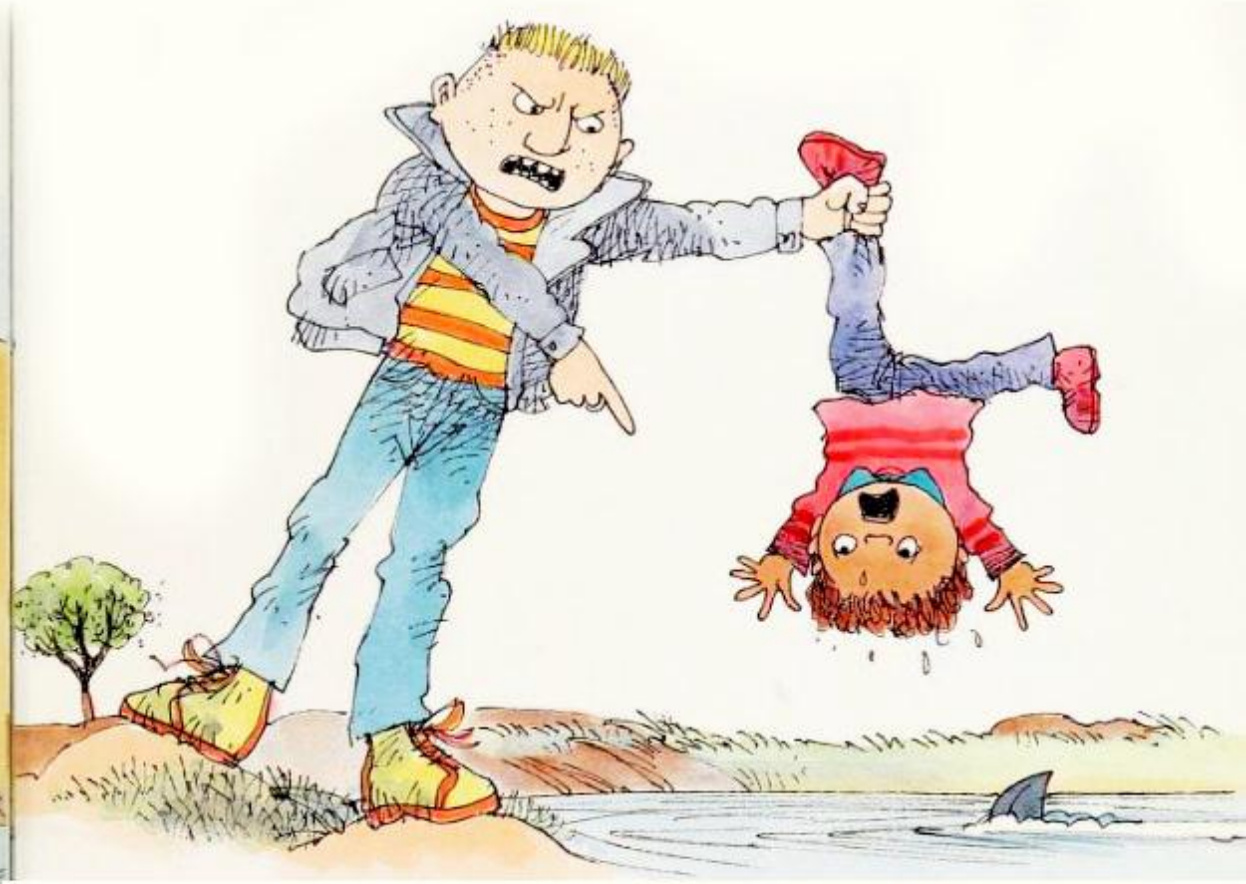

उन्हें धमकी दें कि अगर उन्होंने वैसा किया तो उनका बुरा हाल होगा!

"बड़ों से शिकायत करना, सही खेल नहीं है."

आप अक्सर ऐसे लोगों को भी धमका सकते हैं
जो आपसे उम्र में बड़े और बूढ़े हों.
यहां तक कि आप कुछ शिक्षकों को भी धमका सकते हैं.
वे नहीं चाहेंगे कि किसी को पता चले
कि वे कक्षा को ठीक से संभाल नहीं सकते हैं.

अक्सर, कक्षा के छात्र इसमें आपका साथ देंगे,
क्योंकि शिक्षक आपके खिलाफ है.

गिरोह का लीडर

बदमाशी करने के लिए आपका डील-डॉल बड़ा होना जरूरी नहीं है.
हाँ, चालाकी ज़रूरी है!
अपना काम दूसरों से करवाएं!
बड़ों से अपना काम करवाएं!
छोटे लोगों को चुनें, या ऐसे कम चतुर लोगों को चुनें,
जो आपको आदर से देखते हों.

अब आप गिरोह के नेता हैं!

आपको उन्हें एक-साथ रखना होगा.

कभी-कभी उनकी प्रशंसा भी करनी होगी.

कभी-कभी, उनके साथ लूट का माल ... और मज़ा भी साझा करें.

अगर कोई पीड़ित आपके बारे में शिकायत करे,

तो उससे कुछ फायदा भी हो सकता है.

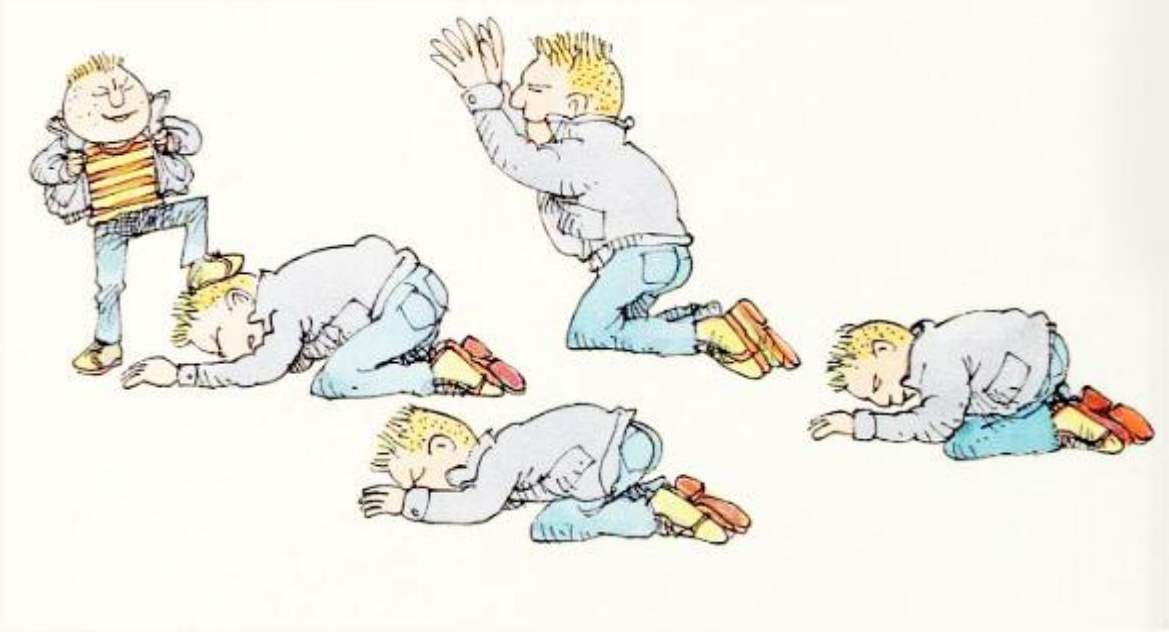

आपके चेले भी आपकी तरह दिखने की कोशिश करेंगे

और आपकी ही तरह कपड़े पहनेंगे.

यदि आप बेवकूफ लोगों को चुनेंगे, तो वे आपको खुश करने की

और आपकी स्वीकृति हासिल करने की लगातार कोशिश करते रहेंगे.

यदि आप पकड़े जाएँ तो?

पकड़े जाने पर आप क्या करें? आप कह सकते हैं:

"उसने इसे शुरू किया. दूसरों से पूछें ..."

"दूसरों ने इसे शुरू किया ..."

"वो केवल एक खेल था ..."

चमड़ी बचाने के लिए आप कुछ भी करें.

अगर रोना पड़े तो वो भी करें!

"मुझे नतीजे का कुछ एहसास नहीं था ...

मैं इसे फिर से नहीं करूंगा."

"दादा" बनना हमेशा मज़ेदार नहीं होता है

"दादा" बनकर धमकाने में मज़ा नहीं होता है.

दूसरों के लिए वो बिल्कुल मजेदार नहीं होता है ...

फिर आपको कोई भी पसंद नहीं करता है ...

आपका गिरोह भी आपसे नफरत करने लगता है.

उन्हें आपसे सिर्फ डर ज़रूर लगता है.

यदि आप पकड़े गए, तो वे आपका साथ नहीं देंगे.

बदमाशी करने वाले आदमी को

हरेक इंसान सबक सिखाना चाहता है!

आप खुद को पसंद नहीं करते हैं.

हो सकता है कि आप ऐसे दोस्त पसंद करें,

जिन्हें लोग आदर की दृष्टि से देखते हों.

कोई भी आपका दोस्त नहीं बनना चाहता है.

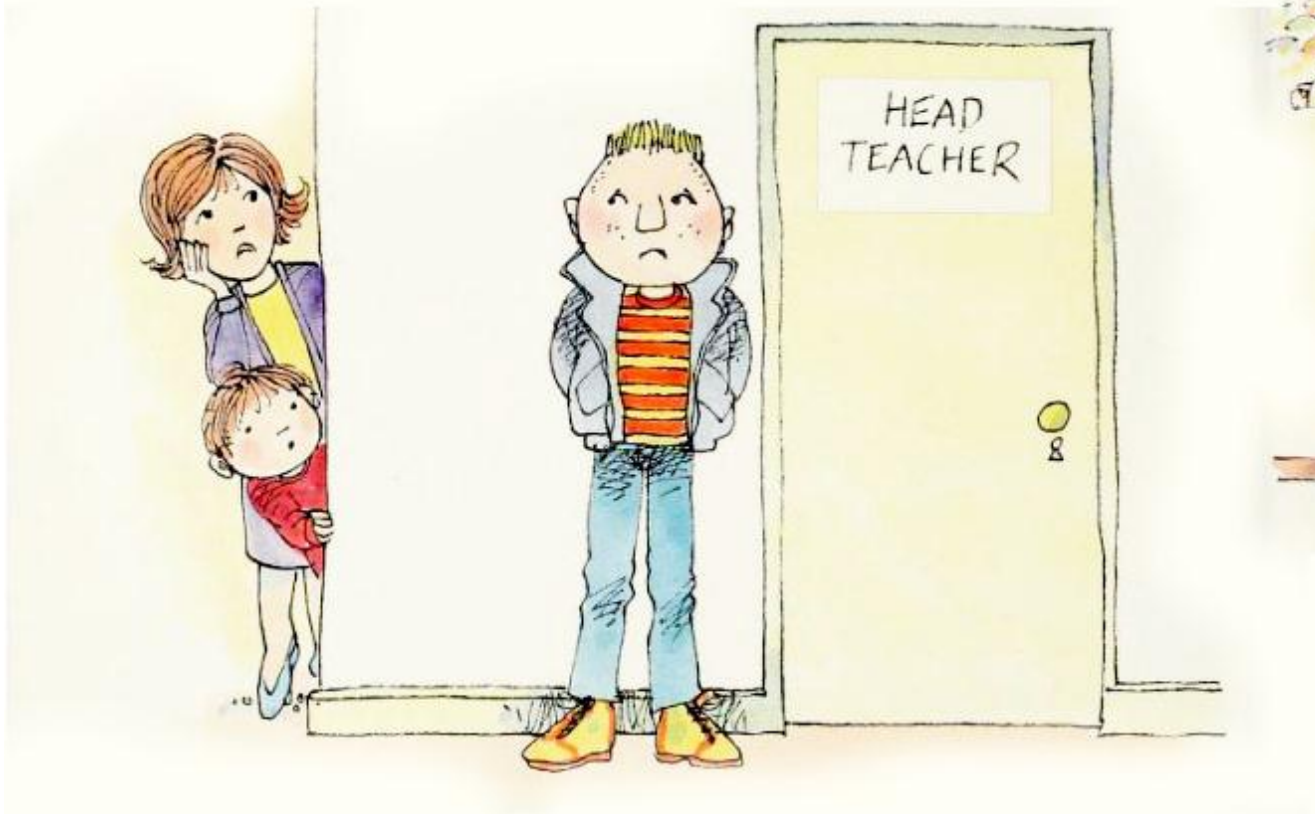

कुछ लोगों को आप पर तरस भी आता होगा.

आप धमकाने वाले "दादा" क्यों बने?

कुछ लोगों को यह विरासत में मिलता है. वे पैदाइशी "दादा" होते हैं.

हो सकता है, उन्हें छुटपन में ही पता चल गया हो कि रोने के बाद ही उनपर कोई ध्यान देगा. जो बच्चे घर पर हमेशा अपनी मनमानी पूरी करवाते हैं वे अक्सर स्कूल में मनमानी चीज़ें न मिलने पर "दादा" बन जाते हैं.

कभी-कभी इसका उल्टा भी होता है.
कुछ भाई-बहन और यहाँ तक कि
माता-पिता भी "दादागिरी" करते हैं.

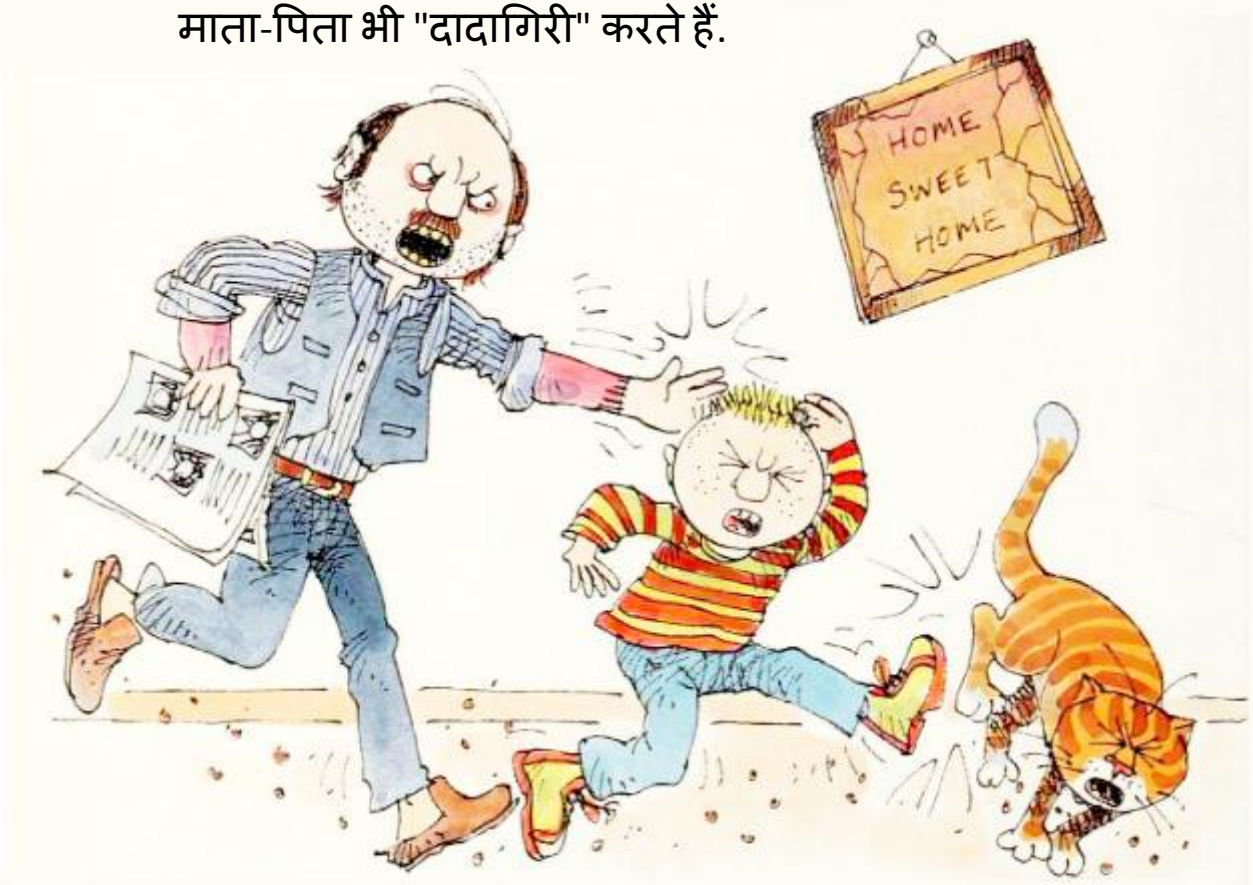

जिन बच्चों के घरों में "दादागिरी" होती है, वे अक्सर यही सीखते हैं कि
बदमाशी ही मनमानी चीज़ों को हासिल करने का एकमात्र तरीका है.

"दादा" हमेशा कमजोर होते हैं.

लेकिन कभी-कभी, अगर कोई उन्हें चुनौती न दे
तो वे सत्ता के उच्च पदों तक पहुँच जाते हैं.
वे वास्तव में सोचते हैं कि वे श्रेष्ठ हैं और अन्य लोगों को वही
करना चाहिए जैसा वे कहते हैं. "दादागिरी" को वे 'नेतृत्व' कहते हैं.
वे खुद को अन्य "दादाओं" और हाँ-में-हाँ मिलाने वालों
के साथ घिरे रहना चाहते हैं.
राष्ट्रीय नेता, जो "दादा" हैं, वे लोगों को धोखा देते हैं.
वे युद्ध शुरू कर सकते हैं.
अक्सर, उनके हिंसक दुश्मन ही उन्हें उखाड़ फेंकते हैं.

वास्तविक सम्मान और प्यार हासिल करना कठिन होता है. असली नेता अपनी कमजोरियों को पहचानते हैं और दूसरों का सम्मान करते हैं.

वे लड़ाई का रास्ता तभी चुनते हैं, जब कोई दूसरा रास्ता नहीं बचता है, या फिर कोई उन्हें धमकी देता है.

फिर वे साहस और संकल्प दिखाते हैं और अंत तक लड़ते हैं.

हम सभी लोग अपनी मनपसंद चीज़ों को पाने के लिए कभी-कभी दूसरों को धमकाते हैं.

धमकाने का मतलब स्वार्थी होना होता है.

चाहे आप एक धमकाने वाले "दादा“ हों,

या किसी धमकाने वाले के चेले हों.

या आप धमकाने वालों से परेशान हों...

तो फिर यह किताब आपके लिए है.

यह किताब आपको बताती है

कि लोग क्यों धमकाते हैं,

और "दादागिरी“ से कैसे निपटा जाए.